International Journal for Multidisciplinary Research (IJFMR)
E-ISSN: 2582-2160 ● Website: www.ijfmr.com ● Email: editor@ijfmr.com

# शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक अभिरूचि के मध्य तुलनात्मक अध्ययन

**Shivam yadav**
**Dr. Deepak Shukla**
Research scholar, Jiwaji University Gwalior

## सारांश

शैक्षिक रूचि ऐसा मानवीय स्रोत है जो कि राष्ट्र के विकास में अत्यन्त सहायक है। शैक्षिक रूचि का सही चयन व्यक्ति बालक को जीवन भर संतुष्टि या असंतुष्टि प्रदान करता है। यह कहना अतिशयोक्ति न होगा कि शैक्षिक रूचि व्यवसायिक योजना का चयन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उद्देश्य 1.शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक अभिरूचि का अध्ययन। 2.शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक अभिरूचि के मध्य तुलनात्मक अध्ययन। परिकल्पना शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक अभिरुचि के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं है। प्रस्तुत शोध अध्ययन हेतु शोधार्थी द्वारा वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि के अंतर्गत तुलनात्मक विधि का प्रयोग किया गया। न्यादर्श हेतु ग्वालियर नगर के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के मध्य प्रदेश बोर्ड, भोपाल से मान्यता प्राप्त शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के कक्षा 11 के 1200 छात्रों को ही सम्मिलित किया गया। अध्ययन के संदर्भ में कुलश्रेष्ठ, एस.पी. द्वारा निर्मित शैक्षिक अभिरुचि मापनी परीक्षण का प्रयोग किया गया। शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक अभिरुचि की तुलना हेतु सांख्यकीय विश्लेषण के उपरांत प्राप्त परिणामों के आधार पर स्पष्ट होता है कि शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के प्रत्येक समूह की शैक्षिक अभिरुचि में पर्याप्त भिन्नता है। इसका संभावित कारण उनको मिलने वाला वातावरण, अवसर तथा सुविधाएं हो सकते है।

- शोधार्थी, आजीवन शिक्षा प्रसार एवं समाज कार्य अध्ययन शाला, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, मध्य प्रदेश, भारत।
- प्राचार्य, श्री वासुदेव बेसिक टीचर्स ट्रेनिंग,इंस्टिट्यूट, मुरैना (म.प्र)

## 1. प्रस्तावना

रूचि एक भावात्मक क्रिया है जो अवधान को जाग्रत अवस्था में लाती है। रूचि का विकास अधिक अनुभवों के आधार पर होता है । बालक प्रयत्न और भूल अधिगम द्वारा भी रूचियों को सीखते है। इस प्रकार से सीखी गई रूचियाँ अधिक स्थायी होती है। अध्ययनों में देखा गया है कि बालकों की रूचियों में परिवर्तन उस समय अधिक होता है जब उनके शारीरिक व मानसिक विकास में परिवर्तन होते है। जब शारीरिक व मानसिक वृद्धि की गति मंद हो जाती है, तब बालक की रूचियों में परिवर्तन भी अपेक्षाकृत कम होता है। साथ ही बालकों की रूचियों का विकास सीखने के अवसरों से भी प्रभावित होता है तथा सांस्कृतिक कारकों से भी प्रभावित होता है। शैक्षिक रूचि प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से व्यक्ति/बालक की स्वयं की प्राथमिकता पसंद या नापसंद जो कि बुद्धि से परिपूर्ण या बुद्धि से परे विषय का चुनाव करने से है। शैक्षिक रूचि एसा मानवीय स्रोत है जो कि राष्ट्र के विकास में अत्यन्त सहायक है। शैक्षिक रूचि का सही चयन व्यक्ति बालक को जीवन भर संतुष्टि या असंतुष्टि प्रदान करता है। यह कहना अतिशयोक्ति न होगा कि शैक्षिक रूचि व्यवसायिक योजना का चयन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। **श्री लक्ष्मी (2016)** ने भी अपने शोधोपरान्त पाया कि शैक्षिक रूचि बालक के व्यवसायिक चयन व विषय के चुनाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विशेषकर कक्षा 11वीं के किशोर विद्यार्थियों के लिए शैक्षिक रूचि जिस क्षेत्र या विषय में होती है। उसी के आधार पर उनकी भविष्य की पढाई/अध्ययन में प्रगति दृष्टिगोचर होती है। विद्यार्थियों के शैक्षिक जीवन के लिए कक्षा 10 व 11 बहुत ही ज्यादा महत्वपूर्ण अवस्था है, जिसके आधार पर उनकी महाविद्यालय का अध्ययन व सफल आजीविका/व्यवसाय का निर्धारण होता है। शैक्षिक रूचि बुद्धि के साथ शैक्षिक मार्गदर्शन के लिए भी सार्थक भूमिका निभाता है। शैक्षिक मार्गदर्शन एसी प्रक्रिया है जो कि कक्षा नर्सरी से महाविद्यालय स्तर तक के विद्यार्थियों के समक्ष प्रस्तुत होने वाली समस्याओं से अवगत कराता है। वर्तमान समय में कहीं न कहीं शैक्षिक मार्गदर्शन के अभाव में या सही निर्णय न लेने के कारण किशोर विद्यार्थी प्रायः अवसाद की स्थिति में स्वयं को पाते है, कई बार किसी व्यक्ति का जीवन उचित विषय का चुनाव न कर पाने के कारण या उचित व्यवसाय का चयन न करने से संपूर्ण जीवन तनाव व दुख में व्यतीत होता है। जबकि शैक्षिक मार्गदर्शन प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से किसी बालक की जीवन में होने वाली व्यवसाय सम्बन्धी कठिनाई तथा निम्न शैक्षिक उपलब्धि में कमी लाता है। शैक्षिक मार्गदर्शन द्वारा उचित विषय का चयन कर अमुक विद्यार्थियों का शैक्षिक दक्षता को उच्चतम सीमा तक पहुंचाया जा सकता है।

21 वी सदी के वैश्वीकरण, उदारीकरण एवं सार्वजनिक के युग में संचार क्रांति के फलस्वरूप आए हुए बदलाव, का शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के शासकीय उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक अभिरूचि में अंतर होता है। क्या?

उक्त प्रश्न के उत्तर प्राप्त करने हेतु शोधार्थी ने ''**शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक अभिरूचि के मध्य तुलनात्मक अध्ययन**'' शीर्षक पर शोध अध्ययन करने का निश्चय किया।

## 2. समस्या कथन

शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक अभिरूचि के मध्य तुलनात्मक अध्ययन।

## 3 शोध अध्ययन के उद्देश्य

- शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक अभिरूचि का अध्ययन।
- शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक अभिरूचि के मध्य तुलनात्मक अध्ययन।

1ण

## 4. शोध अध्ययन की परिकल्पना

शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक अभिरुचि के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं है।

## 5. अध्ययन विधि

प्रस्तुत शोध अध्ययन हेतु शोधार्थी द्वारा वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि के अंतर्गत तुलनात्मक विधि का प्रयोग किया गया।

## 6. न्यादर्श विधि

प्रस्तुत शोध हेतु शोधार्थी ने सौदेश्य विधि द्वारा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का चयन किया गया। विद्यार्थियों को यादृच्छिकी विधि द्वारा चयनित किया गया।

## 7. .न्यादर्श

प्रस्तुत शोध के निमित्त शोधार्थी ने ग्वालियर नगर के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के मध्य प्रदेश बोर्ड, भोपाल से मान्यता प्राप्त शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के कक्षा 11 के 1200 छात्रों को ही सम्मिलित किया गया।

## 8. अध्ययन में प्रयुक्त उपकरण

अध्ययन के संदर्भ में कुलश्रेष्ठ, एस.पी. द्वारा निर्मित शैक्षिक अभिरुचि मापनी परीक्षण का प्रयोग किया गया।

## 9. अध्ययन का परिसीमांकन

प्रस्तुत शोध अध्ययन में समस्या की प्रकृति, उपलब्ध साधन एव समय की सीमितता को दृष्टिगत रखते हुए वर्तमान शोध अध्ययन को निम्नांकित रूप से परिसीमांकित किया गया है:–

प्रस्तुत शोध अध्ययन को वृहत्तर ग्वालियर के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के कक्षा 11वीं के 1200 विद्यार्थियों (600छात्र–600छात्राओं) को सम्मिलित किया गया है।

## 10. प्रदत्तों का प्रस्तुतीकरण, वि श्लेषण एवम् विवेचन

**उद्देश्य 1 शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक अभिरुचि का अध्ययन करना।**

**शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक अभिरुचि प्राप्तांकों की प्र कृति एवं उनका समष्टि में वितरण की स्थिति**

सर्वप्रथम अध्ययन के संदर्भ में प्रयुक्त परीक्षण के परिप्रेक्ष्य में प्राप्तांकों का समष्टि में वितरण की स्थिति का अध्ययन किया जाए। अध्ययन के संदर्भ में कुलश्रेष्ठ, एस.पी. द्वारा निर्मित शैक्षिक अभिरुचि मापनी परीक्षण का प्रयोग किया गया। परीक्षण पर प्राप्त प्राप्तांकों का आवृत्ति वितरण निम्न तालिका में प्रस्तुत किया गया है–

**तालिका संख्या 1**

**शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक अभिरुचि प्राप्तांकों का आवृत्ति वितरण**

| वर्ग अंतराल | ग्रामीण क्षेत्र | | | शहरी क्षेत्र | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | |
| 0-5 | 3 | 6 | 2.00 | 0 | 0 | 0.00 |
| 5-10 | 3 | 31 | 10.33 | 0 | 3 | 1.00 |
| 10-15 | 25 | 94 | 31.33 | 3 | 37 | 12.33 |
| 15-20 | 66 | 201 | 67.00 | 34 | 91 | 30.33 |
| 20-25 | 110 | 300 | 100.00 | 54 | 195 | 65.00 |
| 25-30 | 124 | 362 | 120.67 | 107 | 311 | 103.67 |
| 30-35 | 128 | 331 | 110.33 | 150 | 395 | 131.67 |
| 35-40 | 79 | 247 | 82.33 | 138 | 371 | 123.67 |
| 40-45 | 40 | 140 | 46.67 | 83 | 243 | 81.00 |
| 45-50 | 21 | 62 | 20.67 | 22 | 114 | 38.00 |
| 50-55 | 1 | 22 | 7.33 | 9 | 31 | 10.33 |
| 55-60 | 0 | 1 | 0.33 | 0 | 9 | 3.00 |
| कुल | **600** | | | **600** | | |

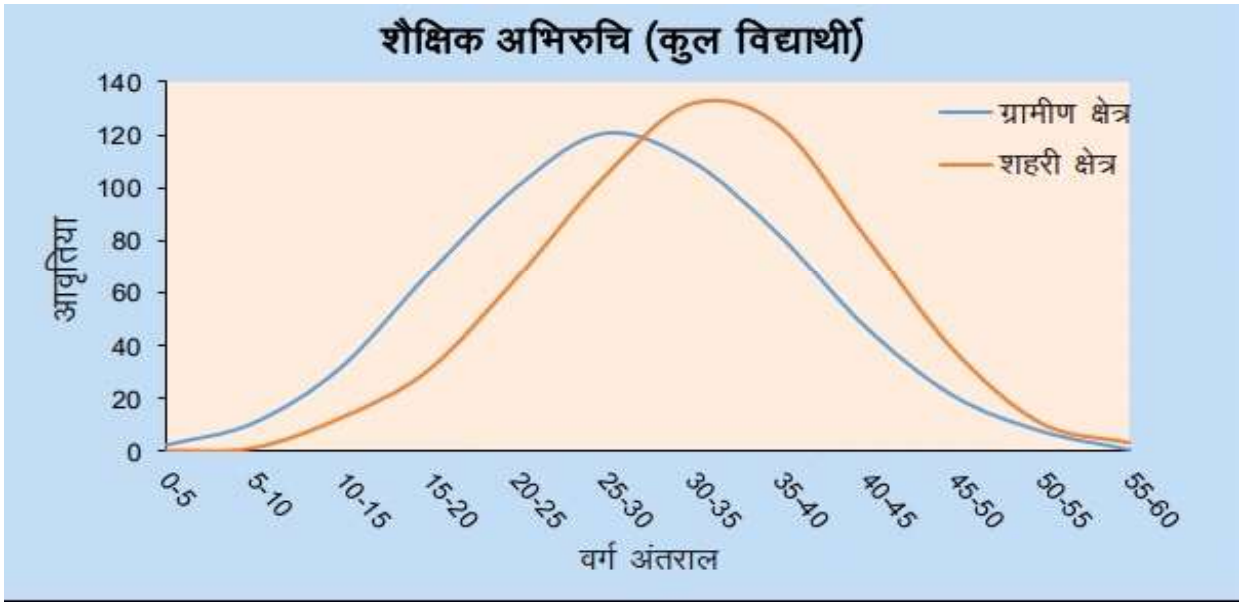


उपर्युक्त तालिका 1 के अध्ययन से स्पष्ट है कि शहरी क्षेत्र के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक अभिरुचि संबंधी अधिकांश प्राप्तांक वर्ग अंतराल 30 से 35 के मध्य 128 आवृतियां है। साथ ही इसी प्रकार ग्रामीण क्षेत्र के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों की विद्यार्थियों की शैक्षिक अभिरुचि संबंधी प्राप्तांकों का वर्ग अंतराल 30–35 के मध्य 150 आवृतियां सर्वाधिक दृष्टिगोचर हो रही है।

**तालिका संख्या 2**

**शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक अभिरुचि संबंधी प्राप्तांकों का विवरणत्मक सांख्यिकीय मान।**

| क्षेत्र | विद्यार्थियों की संख्या | मध्यमान | मध्यांक | प्रथम चतुर्थांश | तृतीय चतुर्थांश | प्रा. वि. | विकृति मान | कुकदता मान |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| शहरी | 600 | 70.1 | 72.5 | 59 | 78 | 12.9 | -0.1 | 0.1 |
| ग्रामीण | 600 | 58.7 | 60.0 | 50.3 | 69.0 | 14.9 | -0.5 | -0.1 |

शहरी क्षेत्र की विद्यार्थियों की शैक्षिक अभिरुचि संबंधी प्राप्तांकों का मध्यमान (70.1), मानक विचलन (12.9), नकारात्मक विषमता (–0.1), कुकदता (0.1 तुंग कुकदता) है। जबकि ग्रामीण क्षेत्र की विद्यार्थियों की शैक्षिक अभिरुचि संबंधी प्राप्तांकों का मध्यमान (58.7), मानक विचलन (14.9), नकारात्मक विषमता (–0.5), तुंग कुकदता (–0.1) है।

इसका अभिप्राय यह है कि संभवतः ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों की तुलना में शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों की शिक्षा के प्रति अभिरुचि अधिक उच्च है।

**उद्देश्य 2 शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक अभिरूचि का तुलनात्मक अध्ययन।**

शैक्षिक अभिरुचि के परिप्रेक्ष्य में चयनित सम्पूर्ण प्रतिदर्श के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक अभिरुचि से संबंधित प्राप्तांक को प्राप्त कर तुलनात्मक अध्ययन हेतु टी-मान सांख्यिकी गणना ज्ञात की गई, जिनका समग्र प्रस्तुतीकरण अधोलिखित तालिका संख्या 3 में प्रस्तुत किया।

**तालिका संख्या 3**

**शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के शैक्षिक अभिरुचि से प्राप्त प्राप्तांकों का मध्यमान, प्रमाणिक विचलन मान, टी -मान एवं सार्थकता स्तर।**

| क्षेत्र प्रकार | विद्यार्थियों संख्या | मध्यमान | प्रमाणिक विचलन मान | टी-मान | सार्थकता स्तर |
|---|---|---|---|---|---|
| **शहरी** | 600 | 70.1 | 12.9 | 17.61 | 0.01 सार्थक है। |
| **ग्रामीण** | 600 | 58.7 | 14.9 | | |

उपर्युक्त तालिका संख्या 4.3 के गहन अवलोकन से विदित होता है कि शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों की शैक्षिक अभिरुचि प्राप्तांकों का मध्यमान 70.1 है एवं मानक विचलन 12.9 है तथा ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों की शैक्षिक अभिरुचि प्राप्तांकों का मध्यमान 58.7 वह मानक विचलन 14.9 है। दोनों समूह के मध्य प्राप्त टी-मान 17.61 है जो कि 0.01 सार्थकता स्तर पर सार्थक है। अतः शून्य परिकल्पना **"शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक अभिरुचि में कोई सार्थक अंतर नहीं है"** को अस्वीकार किया जाता है। **विपुल एवं सुशीला.(2015)** ने शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक अभिरुचि के मध्य सार्थक अंतर है। **प्रसाद, हरि एवं त्रिपाठी, स्वर्णालता.(2023)** ने भी अपने शोधोपरांत पाया कि ग्रामीण क्षेत्र की तुलना में शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों की शैक्षिक अभिरुचि उच्च है तथा ग्रामीण व शहरी माध्यमिक शिक्षा स्तर पर अध्यनरत विद्यार्थियों के शैक्षिक अभिरुचि में सार्थक अंतर है।

## 11. निष्कर्ष

शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक अभिरुचि की तुलना हेतु सांख्यकीय विश्लेषण के उपरांत प्राप्त परिणामों के आधार पर स्पष्ट होता है कि शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के प्रत्येक समूह की शैक्षिक अभिरुचि में पर्याप्त भिन्नता है। इसका संभावित कारण उनको मिलने वाला वातावरण, अवसर तथा सुविधाएं हो सकते है।

## सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

अर्चना कुमारी एवं स्वर्णरेखा. (2022) माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर उनके पारिवारिक वातावरण एवं सामाजिक वातावरण का प्रभाव. अपनी माटी अंक 39,जनवरी–मार्च 2022.

अग्रवाल, आर. एवं अरीना, विपिनः मनोविज्ञान एवं शिक्षा में मापन व मूल्यांकन, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा.

Aggarwal, S &Bala, R. (2017). A comparative study of occupational interest of secondary school students. *International Journal of Educational Research Studies. 3*

Dlamini, M.P., Ngenya, S.S., & Dlamini, B. M. (2004). Reasons girls choose agriculture or other science and technology programmes in Swaziland. *Journal of International Agricultural and Extension Education, 11, 69-77*.

Gandhi, N. (2017). Study of educational interest in relation to school environment. *National Journal of Multidisciplinary Research and Development. 2 (3)*

Khandwala, S.U. (2017). Vocational interest of secondary school students with reference to their gender. *The International Journal of Indian Psychology. 5 (1)*

Khanna, V. & Rani, N. (2013). Vocational preferences of high school students in relation to their social intelligence. *Conflux journal education. 1:16-19*

शुक्ला, विधान कुमार (2023).प्रयागराज जनपद में माध्यमिक शिक्षा स्तर पर शिक्षकों की शैक्षिक अभिरुचि का तुलनात्मक अध्ययन. *international Journal Applied Research 9* (*1*): *212– 215*.

यादव, एम एवं यादव जी०एल, (2012). ए कंपैरेटिव स्टडी आफ एजुकेशनल एंड वोकेशनल इंटरेस्ट ऑफ बॉयज एंड गर्ल्स ऑफ नाइंथ क्लास इन गुरुकुल *इंटरनेशनल रिफंड रिसर्च जर्नल 3. 8 I*

*********